विवाद के बाद भाई ने की आत्महत्या

ग्रामीणों ने अवैध शराब की दुकान में की तोड़फोड़

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 16 जुलाई. कस्बे के राजीवनगर मोहल्ले में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. मामूली पारिवारिक विवाद के बाद एक 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली. इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने क्षेत्र में पैर पसार चुके अवैध शराब के कारोबार को इसका जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर हंगामा किया और शराब दुकानों में तोड़फोड़ कर दी.

बहन को बचाया, पर भाई ने लगा ली फांसी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजीवनगर निवासी कल्लू रावत के 23 वर्षीय पुत्र नवल रावत का बुधवार देर रात अपनी छोटी बहन से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. बहस इतनी बढ़ी कि गुस्से में आकर पहले बहन ने फांसी लगाने का प्रयास किया, लेकिन परिजनों ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे समय रहते बचा लिया. इसके कुछ ही देर बाद, जब सब शांत हुआ, तब दुखी और आक्रोशित भाई नवल ने घर के भीतर ही साड़ी का फंदा बनाया और फांसी पर झूल गया. मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई. मृतक नवल चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था. इस हादसे के बाद राजीवनगर के ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा. गुरुवार सुबह सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और महिलाएं सड़कों पर उतर आए. ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब के कारण आए दिन घरों में विवाद होते हैं. आक्रोशित भीड़ ने अवैध रूप से शराब बेच रही महिलाओं की दुकानों पर धावा बोल दिया और वहां जमकर तोड़फोड़ की. स्थिति बिगड़ती देख सलामतपुर थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची. पुलिस ने उग्र ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की. इस दुखद घड़ी में स्थानीय स्वास्थ्य सिस्टम की बदहाली ने पीड़ित परिवार की मुश्किलों को और बढ़ा दिया. सलामतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बीते कई वर्षों से मर्चुरी रूम (शव गृह) की सुविधा नहीं है. वहीं, सांची सिविल अस्पताल में भी मर्चुरी का काम चलने के कारण पोस्टमार्टम सेवाएं ठप हैं. इस संवेदनहीनता के चलते, रोते-बिलखते परिजनों को नवल के शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए 18 किलोमीटर दूर रायसेन जिला चिकित्सालय ले जाना पड़ा.

गांव-गांव खुली हैं 'मधुशालाएं', बर्बाद हो रहे परिवार

राजीवनगर सहित सलामतपुर, रातातलाई, शुक्ला कॉलोनी, सूर्या फैक्ट्री के पास, गुलगांव और बांसखेड़ा जैसे क्षेत्रों में सलामतपुर शराब ठेकेदार की शह पर अवैध शराब का जाल बिछ चुका है. चाय के टपरों, पान के खोखों और किराना दुकानों तक पर देसी, अंग्रेजी और कच्ची शराब आसानी से उपलब्ध है. स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस अवैध नशे के कारण कई हंसते-खेलते परिवार बर्बाद हो चुके हैं और आए दिन होने वाले घरेलू विवादों के कारण पहले भी कई जानें जा चुकी हैं, लेकिन प्रशासन मौन साधे बैठा है.

इनका कहना है.

राजीवनगर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. मर्ग कायम कर शव को रायसेन जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. अवैध शराब के मामले में 2 महिलाओं पर कार्रवाई की है.

- श्यामराज सिंह सोमवंशी,
थाना प्रभारी सलामतपुर.

वन अधिकारों के दावों के संबंध में दिए निर्देश

बेगमगंज, 16 जुलाई. एसडीएम प्रियंका भलावी द्वारा जनपद सीईओ मोगराज मीणा की उपस्थिति में ग्राम पंचायत सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों एवं वन विभाग के बीट गार्डों की संयुक्त बैठक लेकर अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम के अंतर्गत व्यक्तिगत वन अधिकार सामुदायिक वन अधिकार तथा सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन एवं संरक्षण अधिकार से संबंधित दावों की प्रक्रिया की समीक्षा की. एसडीएम ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के दावे नियमानुसार प्राप्त कर उनका समय-सीमा में परीक्षण एवं अग्रेषण सुनिश्चित किया जाए. ग्राम सभाओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को दावे प्राप्त करने तथा पंचायत एवं वन विभाग के समन्वय से सभी प्रकरणों का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए. बैठक में यह भी निर्देश दिए कि सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं सतत प्रबंधन के उद्देश्य से सीएफआर आर के दावों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए.

सुसज्जित रथ पर निकले जगत के नाथ

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 16 जुलाई. गुरुवार को भगवान श्रीजगदीश मंदिर माला फाटक से सागौन लकड़ी से 30 कारीगरों के द्वारा तैयार किए गए नवनिर्मित और सुसज्जित रथ में सवार होकर जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ, उनके भ्राता बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ 63 वें वर्ष में नगर भ्रमण पर निकले.

नगर के माला फाटक स्थित प्राचीन श्रीजगदीश स्वामी मंदिर से गुरुवार की सुबह शुभ मुहूर्त में 10.30 बजे मंदिर के पुजारी पंडित शिवनारायण दुबे द्वारा विशेष पूजा-अर्चना कराई गई. इस अवसर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र सिंह तोमर, नपाध्यक्ष संदीप लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष पार्षद अजय जाट, कांग्रेस अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, राजेंद्र सिंह तोमर, कमल साहू सहित भारी संख्या में सनातनी बंधुओं ने भगवान जगन्नाथ की पूजा -अर्चना कर आरती उतारी और फिर अपने हाथों से जयकारे लगाते हुए रथ को खींचा. जगह -जगह उनके स्वागत के लिए तोरणद्वार बनाए गए थे और पुष्प वर्षा की गई. भगवान जगन्नाथ अपने भ्राता बलदाऊ, बहन सुभद्रा को साथ लेकर माला फाटक से महादेवपुरा, बजरिया, कबीट चौराहा, गांधी बाजार, मेन रोड, पुराना बस स्टैंड, सागर रोड माला पेट्रोल पंप से होकर वापस भोपाल रोड, नया बस स्टैंड से दशहरा मैदान श्रीहनुमान मंदिर पहुंचा. जहां गुरुवार को रात्रि विश्राम के बाद 17 जुलाई शुक्रवार को वापसी वहीं जगदीश मंदिर माला फाटक पहुंचकर समापन के साथ भगवान विश्राम लेंगे. हजारों भक्तों को जगन्नाथ का भात प्रसादी के रूप में मिला.

एसडीएम प्रियंका भलावी, एसडीओपी सोनाली गुप्ता, थाना प्रभारी राजीव उइके सहित पुलिसबल सुरक्षा व्यवस्था के साथ चाकचौबंद रहा. सागर - भोपाल मार्ग पर यातायात दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक प्रतिबंध रहा और भारी वाहनों के लिए मार्ग परिवर्तित किया गया था. इस अवसर पर विधायक देवेंद्र पटेल ने घोषणा की है कि अगले वर्ष रथयात्रा में तीन रथ होंगे, दो और रथ एवं तीनों रथों को सुरक्षित रखने के लिए गैरिज का निर्माण कराएंगे.

बजरंग चौराहा-उदयपुरा मार्ग पर गहरे गड्ढे बने हादसों की वजह

बारिश से बिगड़ी सड़क की हालत, वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 16 जुलाई. नगर के सबसे व्यस्त बजरंग चौराहा से उदयपुरा-गाडरवारा मार्ग की ओर जाने वाले हिस्से में सड़क पर बने गहरे गड्ढे अब दुर्घटनाओं का कारण बनते जा रहे हैं. लगातार बारिश के बाद सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई है. गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की ऊपरी परत उखड़ने से वाहनों के गुजरने पर गिट्टियां तेजी से उछलती हैं. इससे आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के घायल होने की आशंका बनी रहती है. इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा सड़क की मरम्मत या गड्ढों को भरने की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है.

यह मार्ग गैरतगंज-गाडरवारा को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है. धार्मिक नगरी मां नर्मदा तट बोरास जाने वाले श्रद्धालु भी इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं. प्रतिदिन यहां से स्कूल बसें, यात्री बसें, ट्रक, अन्य भारी वाहन तथा बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन निकलते हैं. लगातार बढ़ते यातायात के कारण सड़क पर बने गड्ढे और भी खतरनाक साबित हो रहे हैं.

तत्काल मरम्मत की मांग

नगरवासियों और व्यापारियों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल सड़क की मरम्मत कर गहरे गड्ढों को भरा जाए. उनका कहना है कि समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में कोई गंभीर हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी.

दोपहिया वाहन चालकों को अधिक खतरा

गहरे गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वाहन चालक जैसे ही बजरंग चौराहे से इस मार्ग पर पहुंचते हैं, गड्ढों से बचने के प्रयास में कई बार उनका संतुलन बिगड़ जाता है. स्थानीय लोगों के अनुसार आए दिन वाहन चालक गिरते-गिरते बचते हैं और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है.

मौसम बदला, सिविल अस्पताल की ओपीडी 400 के पार

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 16 जुलाई. लगातार हुई बारिश के बाद मौसम साफ होने और तेज धूप के साथ उमस बढ़ने से क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है. इसका असर नगर के सिविल अस्पताल में साफ दिखाई दे रहा है, जहां प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 400 के पार पहुंच गई है.

अस्पताल की ओपीडी में सबसे अधिक सर्दी, खांसी, बुखार, वायरल संक्रमण और गले में संक्रमण से पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. चिकित्सकों के अनुसार मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही है. सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है. अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें लग रही है, जिससे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर भी कार्यभार बढ़ गया है. सिविल अस्पताल बीएमओ डॉ. आर एस पटेल का कहना है कि उमस और गर्मी के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है. ऐसे मौसम में लापरवाही बरतने से बीमारी गंभीर रूप ले सकती है. लोगों को पर्याप्त पानी पीने, ताजा एवं स्वच्छ भोजन करने, बारिश का दूषित पानी पीने से बचने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है.

बीएमओ पटेल ने लोगों से अपील की है कि बुखार, लगातार खांसी, गले में दर्द या अन्य लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें. समय पर उपचार कराने से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है. मौसम में हो रहे लगातार बदलाव को देखते हुए अस्पताल प्रशासन भी मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने में जुटा है.

सांची में कांग्रेस पार्षद ने लगाया भेदभाव का आरोप

सलामतपुर, 16 जुलाई. सांची नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 7 से कांग्रेस की पार्षद राधा रवि अहिरवार ने नगर परिषद अध्यक्ष पर विकास कार्यों में भेदभाव करने का आरोप लगाया है. इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है. पार्षद राधा अहिरवार ने बताया कि उनके वार्ड में घरेलू उपयोग के लिए बिजली के खंभे लगाने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक खंभे नहीं लगाए गए. उनका कहना है कि बिजली के खंभे दूर-दूर होने के कारण वार्ड के लोगों को काफी दूरी से बिजली के तार खींचकर अपने घरों तक कनेक्शन ले जाना पड़ रहा है, जिससे लोगों को परेशानी के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी खतरे का भी सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद के अन्य वार्डों में आवश्यक विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि वार्ड क्रमांक 7 की लगातार उपेक्षा की जा रही है.

मानसून रूठा : एक सप्ताह से नहीं बरसा पानी, फसलों पर संकट

कुओं और नलकूपों के सहारे धान-मक्का बचाने में जुटे किसान

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 16 जुलाई. आषाढ़ का महीना समाप्ति की ओर है, लेकिन मानसून की बेरुखी ने सिलवानी क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है. पिछले एक सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण सिलवानी ब्लॉक के सैकड़ों गांवों में खेत सूखने लगे हैं. धान, मक्का और सोयाबीन की फसल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं. फसल को बचाने के लिए किसान अब कुओं, नलकूपों और अन्य निजी जल स्त्रोतों से सिंचाई करने को मजबूर हैं.

मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य मानसून का अनुमान जताए जाने के बाद क्षेत्र के हजारों किसानों ने कर्ज लेकर खाद-बीज की व्यवस्था की और समय पर धान की रोपाई तथा मक्का की बुआई कर दी थी. लेकिन लगातार सात दिनों से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की नमी पूरी तरह खत्म हो गई है, जिससे फसल प्रभावित होने लगी है.

बारिश को लेकर किसानों में बढ़ी चिंता

बारिश को लेकर अब किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें पड़ गई है. क्षेत्र में धान, मक्का और सोयाबीन की फसल पानी के अभाव में सूखने लगी है. निजी सिंचाई साधन नहीं होने वाले किसान सबसे अधिक परेशान हैं. लगातार बारिश नहीं होने से खेती की लागत बढ़ रही है और उत्पादन प्रभावित होने की आशंका गहरा गई है.

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा

संतुष्टिपूर्ण निराकरण नहीं करने पर तहसीलदार को लगाई फटकार

नवभारत न्यूज

रायसेन, 16 जुलाई. जिले में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो, इसके लिए कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा की जाती है. गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक सह वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर ने तहसीलवार सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयावधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण हेतु निर्देश दिए.

उन्होंने उदयपुरा तहसील के कई शिकायतकर्ताओं से सीधे मोबाइल पर बात कर यह जाना कि उनकी समस्याओं का वास्तव में समाधान हुआ है या नहीं. इस दौरान कई शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उनकी शिकायतों का अभी तक संतोषजनक निराकरण नहीं हुआ है. इस पर कलेक्टर विश्वकर्मा ने उदयपुरा तहसीलदार विकास अग्रवाल की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना वास्तविक समाधान के किसी भी शिकायत का निराकरण दर्ज न किया जाए. उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करें.

उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही, गलत जानकारी दर्ज करने या शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बिना शिकायत बंद करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी. इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

कृषि विशेषज्ञों की सलाह

कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने किसानों को सीमित जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी है. उनके अनुसार पानी सीमित होने पर फव्वारा (स्प्रिंकलर) पद्धति से सिंचाई करें, जिससे कम पानी में अधिक क्षेत्र की सिंचाई हो सके. तेज धूप के समय सिंचाई करने से बचें. सुबह या शाम के समय सिंचाई करने से पानी का वाष्पीकरण कम होता है. पर्याप्त नमी आने तक खेतों में रासायनिक दवाइयों का छिड़काव न करें, क्योंकि इससे फसल को नुकसान पहुंच सकता है. बारिश में लगातार हो रही देरी ने सिलवानी क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है. अब सभी की निगाहें आसमान पर टिकी हैं और किसान अच्छी बारिश की उम्मीद में इंद्रदेव से मेहरबानी की प्रार्थना कर रहे हैं.

धान की नर्सरी पर संकट, मक्का की बुआई भी प्रभावित

किसानों का कहना है कि धान की रोपाई के तुरंत बाद लगातार पानी की आवश्यकता होती है. बारिश नहीं होने से धान के पौधे पीले पड़ने लगे हैं, जबकि जिन खेतों में मक्का की बुआई हुई थी, वहां पर्याप्त नमी नहीं मिलने से बीज अंकुरित होने से पहले ही खराब होने की आशंका बढ़ गई है. रानीपुरा के किसान छिदामी साहू ने बताया कि बड़ी मुश्किल से पैसे जुटाकर धान की रोपाई कराई थी. उम्मीद थी कि समय पर बारिश होगी, लेकिन अब फसल बचाने के लिए जनरेटर और पंपसेट से सिंचाई करनी पड़ रही है. यदि दो-तीन दिन और बारिश नहीं हुई तो जल स्रोत भी जवाब देने लगेंगे और खेती की लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा.

आक्रोश बिजली कंपनी के दफ्तर का किया घेराव, कंपनी के महाप्रबंधक को भी सुनाई खरी-खोटी

रायसेन में स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध किया प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

रायसेन, 16 जुलाई. विद्युत वितरण कंपनी द्वारा घर-घर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना का लोग विरोध कर रहे हैं. बता दें कि विद्युत मंडल द्वारा रायसेन नगर में अभी तक 10 हजार उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं 2 हजार घरों पर और स्मार्ट मीटर लगाने की योजना है,

इधर उपभोक्ता सीधा विरोध कर रहे हैं क्योंकि स्मार्ट मीटर से रीडिंग ज्यादा आ रही है, जिससे बिजली के बिल भी बढ़-चढ़कर आ रहे हैं. उपभोक्ताओं का कहना है कि हम महीने में 10 हजार मुश्किल से कमाते हैं और इससे ज्यादा 6 हजार बिजली के बिल में ही जमा कर देते हैं तो फिर ऐसे में घर चलना मुश्किल हो रहा है, इसी बात को लेकर गुरुवार को विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं ने आम उपभोक्ताओं और नागरिकों के साथ मिलकर स्मार्ट मीटर लगाने का घर विरोध जताते हुए पहले भोपाल सागर तिराहा पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया. इसके पश्चात उपभोक्ता एवं आम नागरिक वाहन रैली के साथ विद्युत कंपनी कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने अपने हाथों में तख्ती लेकर विद्युत वितरण कंपनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्मार्ट मीटर का बिल ज्यादा आने का आरोप लगाते हुए उपभोक्ताओं के घर से स्मार्ट मीटर वापस निकालने की मांग की. विरोध प्रदर्शन में श्री हिंदू उत्सव समिति, मुस्लिम त्योहार कमेटी, सामाजिक संगठन, कांग्रेस पार्टी एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए. उपभोक्ताओं का कहना था कि पहले लगे मीटर ही सही चल रहे थे, जिनसे हमें कोई परेशानी नहीं थी तो फिर विद्युत कंपनी द्वारा हमारे घरों पर स्मार्ट मीटर क्यों लगाए गए जो ज्यादा तेज गति से चल रहे हैं और बिल भी जरूरत से ज्यादा आ रहा है.

कांग्रेस नगर अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष रवि खत्री, मुस्लिम त्योहार कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डग्गा पहलवान कांग्रेस नेता राजू महेश्वरी, पार्षद प्रभात चावला सहित कई लोगों ने स्मार्ट मीटर का जमकर विरोध दर्ज कराया. इस संबंध में विद्युत कंपनी के उपमहाप्रबंधक नीरज चौरसिया का कहना है कि उपभोक्ताओं की जो समस्या हमें ज्ञापन के माध्यम मिली है उसे हम वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन तक पहुंचाएंगे.

पटवारियों की हड़ताल से किसान परेशान

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 16 जुलाई. पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान, कैडर रिव्यू लागू करने , नायब तहसीलदार पद की विभागीय परीक्षा, मजिस्ट्रेट प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में लाने, विभिन्न योजनाओं का वर्षों से लंबित मानदेय का भुगतान एवं पटवारी संघ के पदाधिकारियों के नियम विरुद्ध हुए तबादले निरस्त करने जैसी मांगों को लेकर मप्र पटवारी संघ के आव्हान पर सभी पटवारियों के तीन दिन के लिए हड़ताल पर चले जाने से गुरुवार को किसानों सहित अन्य लोगों को भारी परेशानी हुई.

दूरदराज गांवों एवं नगरीय क्षेत्र से तहसील पहुंच रहे किसान एवं हितग्राही अपने -अपने काम के लिए पटवारियों को तलाशते देखे गए लेकिन पटवारी तो हड़ताल पर है. पता चलते ही निराश होकर लौट रहे है.

पटवारी संघ अध्यक्ष मनीष चौरसिया ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा महाधिवेशन आयोजन कराकर उनकी उचित मांगों के निराकरण का आश्वासन मिला था, जो अब तक नहीं हुआ और ना ही मांगों के संबंध में कोई आदेश जारी हुआ. पटवारी संघ लंबे समय से अपनी समस्याओं के निराकरण की शासन से लगातार मांग कर रहा है, लेकिन आज तक उनकी नहीं सुनी गई.